

**राज्यपाल सचिवालय, बिहार**  
**राजभवन, पटना—800022**  
**प्रेस—विज्ञप्ति**

**मारवाड़ी समाज को व्यापक राष्ट्रहित एवं सामाजिक कल्याण  
के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए—राज्यपाल**

**पटना, 23 अप्रैल 2017**

“आज समाज में विभिन्न तरह के सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक व औद्योगिक आदि संगठन कार्यरत हैं। ये संगठन अपने सदस्यों के कल्याण की बातें तो सोचते ही हैं, किन्तु साथ ही इनकी गतिविधियों से राष्ट्र की प्रगति को भी एक बहुआयामी विस्तार मिल जाता है। बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एक ऐसी ही संस्था है, जो समाज—कल्याण के विभिन्न क्षेत्रों में भी सक्रिय है। इस संस्था को दहेजप्रथा—उन्मूलन, नशा—उन्मूलन आदि विभिन्न सामाजिक कल्याण के कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।” —उक्त विचार, महामहिम राज्यपाल श्री राम नाथ कोविन्द ने स्थानीय बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स के सभागार में आयोजित बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के खुले अधिवेशन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि दिव्यांगों और गरीबों के सामूहिक विवाह—समारोहों, बच्चों के टीकाकरण एवं बुजुर्गों के मोतियाबिन्द ऑपरेशन आदि के लिए शिविरों के आयोजन में भी इस संस्था को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि संस्था को रेडक्रॉस जैसी संस्थाओं को मदद करनी चाहिए।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री कोविन्द ने कहा कि मारवाड़ी समाज, सामाजिक कल्याण और धार्मिक व सांस्कृतिक गतिविधियों के विकास में शुरू से ही पूरी दिलचस्पी लेता रहा है। यह समाज जहाँ भी रहता है, सामाजिक सौहार्द और शांति को बढ़ावा देने में तत्पर रहता है। दानवीरता का बड़ा सुदीर्घ इतिहास इस समाज का रहा है।

राज्यपाल ने कार्यक्रम के दौरान संस्था के सदस्यों की विवरणी वाली एक ‘निर्देशिका’ को भी लोकार्पित किया और इसे एक—दूसरे से संपर्क के लिए उपयोगी बताया। राज्यपाल ने उत्कृष्ट सेवा के लिए संस्था के पाँच वयोवृद्ध और सम्मानित सदस्यों—प्रो. विश्वनाथ अग्रवाल, लक्ष्मी नारायण डोकानिया, द्वारिका प्रसाद तोदी, राम अवतार पोद्दार एवं श्रीमती सुशीला मोहनिका को संस्था की ओर से सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में स्वागत—भाषण संस्था के अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला एवं धन्यवाद—ज्ञापन पटना नगर शाखा अध्यक्ष श्री अंजनी कुमार सुरेका ने किया। कार्यक्रम में श्री विनोद तोदी एवं महामंत्री श्री ओमप्रकाश टिबड़ेवाल आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।